



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 626]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 31, 2003/पौष 10, 1925

No. 626]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 31, 2003/PAUSA 10, 1925

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 2003

सं. 84/2003-के.उ.शु. (गै.टै.)

सा.का.नि. 973(अ).—यद्यपि केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 (जिसे इसके बाद केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के रूप में उल्लेख किया जाना है) के अन्तर्गत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची के अध्याय 28 के अन्तर्गत आने वाले अन्तर्वर्ती माल पर उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के अन्तर्गत आने वाले नकली आभूषणों के विनिर्माण कार्य के दौरान उद्भूत होता है, उत्पाद शुल्क (इस पर गैर लेवी सहित) लगाने के सम्बन्ध में सामान्यतया एक प्रवृत्ति मौजूद है और ऐसा अन्तर्वर्ती माल पर उत्पाद शुल्क देय होता था जो 1 अप्रैल, 1996 को आरम्भ होने वाली और 28 फरवरी, 2001 को समाप्त होने वाली अवधियों के दौरान उक्त प्रवृत्ति के अनुसार नहीं लगाया जा रहा था।

अतः, अब, उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 11ग के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त अध्याय 71 के अन्तर्गत आने वाले नकली आभूषणों के विनिर्माण कार्य के दौरान उद्भूत उक्त अध्याय 28 के अन्तर्गत आने वाले उक्त अन्तर्वर्ती माल पर देय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क लेकिन उक्त प्रवृत्ति के लिए, ऐसे अन्तर्वर्ती माल जिस पर उक्त प्रवृत्ति के अनुसार उक्त अवधियों के दौरान उक्त शुल्क नहीं लगाई जा रही थी के सम्बन्ध में दिया जाना अपेक्षित नहीं होगा।

[फा. सं. 135/2/2003-के.उ.शु.-4]

मनीष मोहन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****(CENTRAL BOARD OF EXCISE & CUSTOMS)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 31st December, 2003

No. 84/2003-CE (NT)

G.S.R. 973(E).—Whereas the Central Government is satisfied that a practice was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under Section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the Central Excise Act), on intermediate goods falling under Chapter 28 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) arising during the course of manufacture of imitation jewellery falling under Chapter 71 of the First Schedule to the said Central Excise Tariff Act and such intermediate goods were liable to duty of excise which was not being levied according to the said practice during the periods commencing on and from the 1st April, 1996 and ending with 28th February, 2001.

Now, therefore, in exercise of powers conferred by Section 11C of the said Central Excise Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable on the said intermediate goods falling under said Chapter 28 arising during the course of manufacture of imitation jewellery falling under said Chapter 71, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such intermediate goods on which the said duty of excise was not being levied during the aforesaid periods in accordance with the said practice.

[F. No. 135/2/2003-CX-4]

MANISH MOHAN, Under Secy.